Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding statements by Prime Minister and Minister of Defence on the debate of No-Confidence Motion.

HON. SPEAKER: Yes Kharge ji… (*Interruptions*)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Under Rule 220 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, I hereby give notice to move Privilege Motion against Prime Minister Shri Narendra Modi … (*Interruptions*) for making misleading statement in his speech on the debate of No-Confidence Motion in Lok Sabha on 20th July, 2018. … (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It is under my consideration. I will see to it.

… (*Interruptions*)

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : महोदया, ये गलत कर रहे हैं।…(व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : महोदया, हमने भी नोटिस दिया हुआ है।…(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया (गुना) : महोदया, रूल 222 के तथागत हम लोग एक प्रिविलेज मोशन रक्षा मंत्री के विरूद्ध मूव कर रहे हैं। उन्होंने जिस तरीके से पूरे सदन और पूरे देश को भटकाने की कोशिश की है, वे असत्य वाक्यों के आधार पर राफेल डील के नाम को छुपाने की कोशिश कर रही हैं।…(व्यवधान) क्या सरकार ने भ्रष्टाचार किया है?…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुझे सभी प्रिविलेज मोशंस मिले हैं। It is under my consideration. That's all.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Now, papers to be laid on the Table.

… (*Interruptions*)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार) : महोदया, आपने खड़गे जी, ज्योतिरादित्य जी और के.सी.वेणुगोपाल जी को प्रिविलेज मोशन पर मेंशन करने का मौका दिया है।

माननीय अध्यक्ष : दोनों के प्रिविलेज मोशन अलग-अलग हैं। दो अलग-अलग नोटिसेज हैं। कुछ लोगों ने प्रधान मंत्री के खिलाफ दिया है, कुछ लोगों ने रक्षा मंत्री के खिलाफ दिया है।

श्री अनन्तकुमार : महोदया, इन चार लोगों के भी अलग-अलग नोटिसेज हैं। उनको भी एक-एक वाक्य मेंशन करने का मौका दीजिए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अलग-अलग से मेरा मतलब है कि इनका प्रिविलेज मोशन अलग-अलग व्यक्तियों के खिलाफ है। आप सभी का प्रिविलेज मोशन एक ही व्यक्ति के खिलाफ है। इसलिए मैंने दो लोगों को बोलने की अनुमति दी है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट, आप बैठिए।

श्री निशिकान्त दुबे : महोदया, हम सबका अलग-अलग नोटिस है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ज्योतिरादित्य जी, आप बैठिए। मैं आपकी बात कर रही हूँ। आप बैठिए। मैं देख रही हूँ। मैं बोल रही हूँ। आप बैठिए।

श्री अनन्तकुमार: मैडम, विषय अलग है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अनन्तकुमार जी, एक बात समझ लीजिए। मैं भी जो कर रही हूं, वह समझकर कर रही हूं। विपक्ष के पाँच लोगों ने अलग-अलग नोटिसेज दिए हैं। पाँच लोगों ने अलग-अलग प्रिविलेज नोटिसेज, against the Prime Minister दिए हैं। पाँच लोगों ने अलग-अलग प्रिविलेज नोटिसेज, against the Raksha Mantri दिए हैं। पाँच की

तरफ से मैंने केवल एक-एक को बोलने की अनुमति दी है। मैंने एक माननीय सदस्य को प्रधान मंत्री के बारे में बोलने की अनुमति दी और दूसरे माननीय सदस्य को रक्षा मंत्री के बारे में बोलने की अनुमति दी।

आपकी तरफ से चार नोटिसेज हैं, but that was against one person only.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: अगर मैं आप सबको बोलने की अनुमति दूंगी तो फिर इधर से भी पाँच लोगों को बोलने की अनुमति देनी पड़ेगी।

…(व्यवधान)

श्री अनन्तकुमार: मैडम, अनुराग ठाकुर जी का विषय अलग है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अनुराग ठाकुर जी को मैंने कल बोलने दिया था।

…(व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर: अध्यक्षा जी, कल मैं विषय को कहां रख पाया था? कल मुझे मौका नहीं मिला।…(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : मैडम।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठिए। जब मैं बात कर रही हूं तो ऐसा नहीं चलेगा। आई-एम-सॉरी।

…(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA : It cannot be changed, now … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: आप मुझे डायरेक्ट नहीं करेंगे। पहली बात तो यह है कि आप बैठिए।

…(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया : मैडम।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नहीं, मैं नहीं सुनूंगी।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

…(Interruptions)… *

माननीय अध्यक्ष: मैंने देखा है और मैंने आपकी बात बोली है।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अनुराग ठाकुर जी, मैं केवल आपको बोलने की अनुमति दे रही हूं। आप भी उनके जैसा केवल एक वाक्य में बोल सकते हैं।

…(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया: मैडम, उन्होंने कल बोल दिया है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने कल उन्हें उनका पूरा वाक्य बोलने नहीं दिया था।

…(व्यवधान)